Apollo

MULTI SPECIALITY HOSPITALS

प्रेस विज्ञप्ति

पूर्वी भारत में पहली बार, अपोलो मल्टीस्पेशिएलिटी अस्पताल कोलकाता की ओर से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट रोगों की जांच और इलाज के लिए पावर स्पाइरल एंटरोस्कोपी की पेशकश

कोलकाता, 22 दिसंबर, 2021 : पूर्वी भारत में पहली बार, **अपोलो मल्टीस्पेशिएलिटी हॉस्पिटल्स** में **डॉ. महेश कुमार गोयनका** के नेतृत्व में गैस्ट्रो टीम की ओर से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट की बीमारियों की जांच और इलाज के लिए नवीनतम और सबसे सुरक्षित प्रक्रिया **पावर स्पाइरल एंटरोस्कोपी** की पेशकश की जा रही है। यह मोटर चालित एंडोस्कोप, छोटी आंत की एंडोस्कोपी की प्रक्रिया को आसान बना देगा और इसे मौखिक मार्ग के साथ-साथ मलाशय के माध्यम से भी उपचार के लिए प्रवेश किया जा सकेगा। यह तकनीक सुरक्षित होने के साथ-साथ ही छोटी आंत की विकृति के प्रबंधन और समस्या का पता लगाने के लिए भी बहुत प्रभावी है।

इस संबंध में **डॉ. सुरिंदर सिंह भाटिया, डीएमएस-पूर्वी क्षेत्र, अपोलो हॉस्पिटल्स** ग्रुप ने कहा, "अपोलो मल्टीस्पेशिएलिटी हॉस्पिटल्स, कोलकाता निरंतर नई तकनीकों को लाने और पथ-प्रदर्शक प्रक्रियाओं को प्रस्तुत करने में अग्रणी बना हुआ है। हमारे प्रतिबद्ध चिकित्सक, इस अत्याधुनिक तकनीक की मदद से कई ज़रूरतमंद गैस्ट्रो इंटरवेंशन में मदद करेंगे।"

छोटी आंत गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट का 20 फीट लंबा हिस्सा होता है, जो क्षय रोग, क्रोहन रोग, ड्रग प्रेरित अल्सर, संवहनी विकृति जैसी सामान्य बीमारियों का स्थल है। 20 साल पहले तक यह एंडोस्कोप द्वारा दुर्गम था। कैप्सूल एंडोस्कोपी और बैलून असिस्टेड एंटरोस्कोपी विकसित की गई है लेकिन यह गतिशीलता के लिए थकाऊ और नुकसानदेह है।

मरीजों के लिए पूरी प्रक्रिया को आसान बनाने और डॉक्टरों की सहायता करने के लिए, अपोलो मल्टीस्पेशिएलिटी हॉस्पिटल्स, कोलकाता ने हाल ही में पावर स्पाइरल एंटरोस्कोपी की पेशकश की है, जो एक विशेष मोटर से लैस एक मोटराइज्ड प्रकार का एंडोस्कोप है। **इस पर डॉ. महेश कुमार गोयनका, डायरेक्टर, इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोसाइंसेज एंड लिवर, अपोलो मल्टीस्पेशिएलिटी हॉस्पिटल्स, कोलकाता** ने कहा, "छोटी आंत के एंडोस्कोपिक मूल्यांकन की यह तकनीक केवल एक फुट पैडल के दबाव के साथ 20 फीट लंबी इस छोटी आंत का निरीक्षण करने में मदद करती है। यह बिल्कुल स्टीयरिंग, एक्सेलेरेटर और ब्रेक वाली कार को चलाने की तरह है। यह न केवल छोटी आंत में जटिल स्थितियों का इलाज करने में सहायता करता है बल्कि पुरानी और जटिल आंतों की समस्याओं को समझने और रोगी को उससे निदान दिलाने में भी मददगार है।

पावरस्पाइरल, एक स्पाइरल सेगमेंट का उपयोग करके एंटरोस्कोप पर छोटी आंत को प्लीटिंग करके गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट में गहराई तक पहुंचने के लिए तेज और सौम्य मार्ग तैयार करता है। यह एक एकीकृत मोटर के माध्यम से संभव हो पाता है, जो एकल-उपयोग वाले पावरस्पाइरल कवर ट्यूब को घुमाता है, जो नरम स्पाइरल-आकार के पंखों से सुसज्जित होता है और जो धीरे से म्यूकोसा का पालन करता है। बढ़ी हुई प्रविष्टि गति, आसान उन्नति, नियंत्रित

निकासी– और बेहतर गतिशीलता समग्र प्रक्रिया के समय को काफी हद तक कम कर सकती है और यह प्रभावी उपचार के लिए समय प्रदान कर सकती है। मोटर चालित प्रक्रिया, स्पाइरल सेगमेंट के नरम पंखों के साथ संयुक्त, आरामदायक, सुरक्षित और गहरी प्रविष्टि के साथ–साथ उत्कृष्ट गतिशीलता को सक्षम बनाती है, जिससे पूरे आंतों के लुमेन को देखना संभव हो जाता है। ये सभी संयुक्त विशेषताओं की वजह से ही छोटी आंत में गहराई तक प्रवेश करना आसान हो जाता है।

स्पाइरल सेगमेंट के नरम पंखों के बीच म्यूकोसा पर कोमल पकड़ एंडोस्कोप की सटीक स्थिति को सक्षम बनाती है। इसके साथ ही एकीकृत वाटर (पानी) जेट पूरी प्रक्रिया के दौरान दृश्यता को स्पष्ट बनाए रखता है। पारंपरिक एंडोस्कोप चैनल के लिए धन्यवाद, जिससे पावरस्पाइरल एंडोथेराप्यूटिक उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ कुशल हस्तक्षेप की अनुमति देता है। समग्र गतिशीलता में सुधार के कारण, घावों तक अधिक तेज़ी से पहुँचा जा सकता है। पहले अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि पावरस्पाइरल एंडोस्कोप के साथ पूरी प्रक्रिया के समय को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

लाभ :

- **छोटी आंत का पूर्ण निरीक्षण**
- **तेज़**
- **सुरक्षित**
- **दर्द रहित**
- **बायोप्सी प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है**
- **छोटी आंत के रोगों का इलाज कर सकता है**

पावर स्पाइरल का उपयोग बायोप्सी लेने, छोटे ट्यूमर को हटाने, संकुचन को पतला करने, फॉरेन बॉडी को हटाने और रक्तस्राव को रोकने के लिए किया जा सकता है। पूरी प्रक्रिया न केवल पूर्ण है, बल्कि पहले की तकनीकों की तुलना में बहुत तेज है और अपने अंतर्निहित सुरक्षा उपकरणों के कारण सुरक्षित भी है। यह प्रक्रिया बेहोश करने के बाद की जाती है, इसलिए यह दर्द रहित होती है।

About Apollo Hospitals Enterprise Ltd. (AHEL)

It was in 1983, that Dr. Prathap C. Reddy made a pioneering endeavour by launching India's first corporate hospital - Apollo Hospitals in Chennai.

Now, as Asia's foremost trusted integrated healthcare group, its presence includes over 12,000 beds across 71 Hospitals, 3,300 Pharmacies, over 90 Primary Care Clinics and 150 diagnostic centers, 110 plus Telemedicine Centres, over 15 medical education centres and a Research Foundation with a focus on global Clinical Trials, epidemiological studies, stem cell & genetic research, Apollo Hospitals has been at the forefront of new medical advancements with the most recent investment being the commissioning of South East Asia's very first Proton Therapy Centre in Chennai.

Every four days, the Apollo Hospitals Group touches a million lives, in its mission to bring healthcare of international standards within the reach of every individual. In a rare honour, the Government of India had issued a commemorative stamp in recognition of Apollo's contribution, the first for a healthcare organization. Apollo Hospitals Chairman, Dr. Prathap C. Reddy, was conferred with the prestigious Padma Vibhushan in 2010.

For 35 years, the Apollo Hospitals Group has continuously excelled and maintained leadership in medical innovation, world-class clinical services and cutting-edge technology. Its hospitals are consistently ranked amongst the best hospitals in the country for advanced medical services.

For more information:
Amitava Chakraborty | amitava_c@apollohospitals.com | 9804000201
Sumantika Choudhury | sumantika.choudhury@adfactorspr.com| 9830056185